



INTERNATIONAL JOURNAL OF TRENDS IN EMERGING RESEARCH AND DEVELOPMENT

INTERNATIONAL JOURNAL OF TRENDS IN EMERGING RESEARCH AND DEVELOPMENT

Volume 3; Issue 6; 2025; Page No. 255-256

Received: 08-09-2025

Accepted: 21-10-2025

Published: 22-11-2025

शिक्षण-अधिगम को प्रभावी बनाने में AI एवं सोशल मीडिया संसाधनों की भूमिका: मेरठ के संदर्भ में एक अध्ययन

¹Preeti Tomer and ²Dr. Pawan Kumar Sharma

¹Research Scholar, Department of Education, Monad University, Hapur, Uttar Pradesh, India

²Research Guide, Department of Education, Monad University, Hapur, Uttar Pradesh, India

DOI: <https://doi.org/10.5281/zenodo.23182803>

Corresponding Author: Preeti Tomer

सारांश

वर्तमान डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence–AI) एवं सोशल मीडिया संसाधन शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को अधिक प्रभावी, संवादात्मक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मेरठ जैसे तेजी से विकसित हो रहे शैक्षिक केंद्र में इन तकनीकों का महत्व विशेष रूप से बढ़ गया है। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (CCSU), मेरठ सहित विभिन्न विद्यालयों एवं उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल संसाधनों तथा AI आधारित शिक्षण को अपनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। 2023 में CCSU को भारत के पहले AI-enabled state university pilot के रूप में विकसित करने की घोषणा भी की गई।

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य मेरठ के शैक्षिक परिदृश्य में AI एवं सोशल मीडिया संसाधनों की भूमिका, उपयोगिता तथा उनसे संबंधित चुनौतियों का विश्लेषण करना है। अध्ययन द्वितीयक स्रोतों एवं उपलब्ध स्थानीय शोध-साक्ष्यों पर आधारित है। उपलब्ध साहित्य से संकेत मिलता है कि AI lesson planning, personalized learning, assessment एवं feedback में तथा सोशल मीडिया communication, collaboration और educational resource sharing में उपयोगी है। साथ ही डिजिटल असमानता, शिक्षक प्रशिक्षण, गोपनीयता, गलत सूचना और विद्यार्थियों की अत्यधिक निर्भरता जैसी चुनौतियाँ भी विद्यमान हैं।

मूलशब्द: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया, शिक्षण-अधिगम, डिजिटल शिक्षा, मेरठ, शिक्षक, विद्यार्थी

1. प्रस्तावना

तकनीकी विकास ने शिक्षा के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन किया है। परंपरागत शिक्षक-केंद्रित शिक्षा के स्थान पर अब blended, collaborative और learner-centred learning को अधिक महत्व दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी शिक्षा में technology के उपयोग तथा AI, adaptive learning और अन्य emerging technologies के प्रयोग को प्रोत्साहित किया है। नीति के अनुसार तकनीक

का उपयोग learning, assessment, planning तथा educational administration को बेहतर बनाने के लिए किया जाना चाहिए।

मेरठ पश्चिमी उत्तर प्रदेश का एक महत्वपूर्ण शैक्षिक केंद्र है। यहाँ CCSU, विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, CBSE/ICSE विद्यालयों तथा शिक्षक-प्रशिक्षण संस्थानों की उपस्थिति के कारण डिजिटल शिक्षा के अध्ययन के लिए उपयुक्त वातावरण उपलब्ध है। मेरठ में AI शिक्षा को लेकर

शिक्षक प्रशिक्षण भी आयोजित हुए हैं। उदाहरण के लिए CBSE ने 2024 में मेरठ में कक्षा IX-X के AI शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था।

2. अध्ययन के उद्देश्य

1. शिक्षकों के लिए इन तकनीकों से उत्पन्न अवसरों एवं चुनौतियों का अध्ययन करना।
2. मेरठ के शैक्षिक संस्थानों में प्रभावी डिजिटल एकीकरण के लिए सुझाव देना।

3. मेरठ में AI की भूमिका

AI शिक्षकों के लिए lesson planning, प्रश्न निर्माण, विषय-वस्तु तैयार करने, assessment तथा विद्यार्थियों को व्यक्तिगत feedback देने में सहायक हो सकता है। विशेष रूप से अलग-अलग क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए AI आधारित adaptive learning उपयोगी हो सकती है।

मेरठ में AI की उपयोगिता केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। CCSU के AI-enabled state university pilot के रूप में विकसित होने की पहल इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थानीय उदाहरण है। Press Information Bureau इसके अतिरिक्त मेरठ के विद्यालयों में शिक्षकों के लिए AI और computational thinking से संबंधित capacity-building programmes आयोजित किए जा रहे हैं।

4. सोशल मीडिया की भूमिका

मेरठ के संदर्भ में सोशल मीडिया के शैक्षणिक उपयोग का प्रत्यक्ष शोध-साक्ष्य भी उपलब्ध है। CCSU Campus, Meerut पर 100 विद्यार्थियों को लेकर किए गए एक अध्ययन में social networking tools के शिक्षण-अधिगम में उपयोग का परीक्षण किया गया और अध्ययन ने पाया कि शिक्षक तथा विद्यार्थी इन संसाधनों का educational discussion और learning के लिए प्रभावी उपयोग कर रहे थे।

5. प्रमुख चुनौतियाँ

मेरठ में AI एवं सोशल मीडिया आधारित शिक्षा के विस्तार के बावजूद कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं—

- **डिजिटल विभाजन:** सभी विद्यार्थियों के पास समान स्तर के smartphones, computers तथा internet connectivity उपलब्ध नहीं हैं।
- **शिक्षक प्रशिक्षण:** AI tool चलाना और उसे प्रभावी pedagogical तरीके से प्रयोग करना अलग-अलग क्षमताएँ हैं।

- **गोपनीयता:** विद्यार्थियों के personal data तथा learning information की सुरक्षा आवश्यक है।
- **AI पर अत्यधिक निर्भरता:** यदि विद्यार्थी प्रत्येक उत्तर के लिए AI पर निर्भर हो जाएँ तो critical thinking और creativity प्रभावित हो सकती है।
- **सोशल मीडिया distraction:** educational use के साथ entertainment और गैर-शैक्षणिक content विद्यार्थियों का ध्यान भटका सकता है।
- **सूचना की विश्वसनीयता:** सोशल मीडिया एवं AI द्वारा उपलब्ध सामग्री का शिक्षक और विद्यार्थी द्वारा सत्यापन आवश्यक है।

6. निष्कर्ष

अध्ययन से स्पष्ट होता है कि मेरठ में AI एवं सोशल मीडिया संसाधन शिक्षण-अधिगम को अधिक प्रभावी, लचीला, संवादात्मक और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की पर्याप्त क्षमता रखते हैं। AI lesson planning, personalized learning, assessment और feedback में उपयोगी हो सकता है, जबकि सोशल मीडिया communication, collaboration, peer learning तथा educational resources के आदान-प्रदान को मजबूत करता है।

मेरठ के संदर्भ में CCSU में AI-enabled university की पहल, DIET Meerut का AI teacher training programme तथा स्थानीय विद्यालयों में AI एवं digital pedagogy से संबंधित capacity-building activities इस परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत हैं।

7. संदर्भ

1. DIET Meerut. Training on Use of Artificial Intelligence in Basic Education, 2022.
2. Press Information Bureau, Government of India. AI-Driven Education and Skilling: AI-enabled State University Pilot at CCSU Meerut, 2023.
3. Central Board of Secondary Education. Teacher Training Programme for Teachers Teaching Artificial Intelligence at Meerut, 2024.
4. Department of Education, CCSU, Meerut. FDP on ICT and Emerging Technologies-Uttar Pradesh, 2023.

Creative Commons (CC) License

This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.